चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक ..8...1...2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-5.....

सराहनीय

ऑटोमैटिक फुल सीडिंग लाइन मशीन मंगवाई, बीज के बोने से लेकर सिंचाई तक सभी काम करेगी मशीन

प्रो ट्रे में पौधे तैयार करेगा एचएयू का बागवानी विभाग

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब विज्ञानी ऑटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रो ट्रे में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से और आधुनिक तकनीक से करेगी। साथ ही इससे समय व पैसे की बचत के साथ-साथ लेबर की भी नाममात्र ही जरूरत पड़ेगी। इस मशीन को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के आने से किसानों को स्वस्थ व बेहतर गुणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय किसानों की जरूरत के अनुसार पौधे तैयार कर सकेगा और किसानों को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे।

बीमारी व कीटाणुरहित होंगे पौधे : बागवानी विभाग के अध्यक्ष डा. अनिल गोदारा ने बताया कि पहले पौधे तैयार करने के लिए मजदूरों की सहायता ली जाती है। इसमें बीज बोने से लेकर खाद व पानी देने तक सभी काम मजदूरों से किए जाते थे। इसके अलावा पौधे तैयार करने के लिए बीज को जमीन में ही बोया जाता था, जिसमें बीज के सौ प्रतिशत अंकुरण की संभावना कम होती थी और पौधे में जमीन से ही बीमारी शुरू हो जाती थी। साथ ही पौधे को एक जगह से दूसरे जगह ट्रांसप्लांट करने में भी दिक्कत थी। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी सभी समस्याओं पर विराम लग जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बागवानी विभाग में आई मशीन का अवलोकन करने के दौरान कार्यप्रणाली समझाते हुए। ● पीआरओ

ऐसे काम करेगी मशीन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत ने बताया कि इस मशीन में सुविधानुसार प्रो ट्रे लगाई जाती हैं। उसके बाद मशीन की सहायता से ही इस प्रो ट्रे में नारियल का बुरादा, अंकुरण के लिए बीज व सिंचाई के लिए पानी डाला जाता है। इसके बाद मशीन जरूरत के हिसाब से प्रो प्रो ट्रे में बीज डालती है। एक प्रो प्रो ट्रे में 55 से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते हैं। फिर प्रो टैर को पॉली हाउस में रखा जाता है और पौधे तैयार होने तक उनकी वहीं देखभाल की जाती है।

सौ फीसद होगा बीजों का अंकुरण

फलदार पौधों, फूलों व सब्जियों की पौध तैयार करने के लिए जो बीज बोया जाता है वह बहुत ही महंगा होता है। साथ ही मजदूरों की सहायता से जमीन में तैयार करने में समय अधिक लगने के साथ-साथ उनके सौ प्रतिशत अंकुरण या जमाव की भी संभावना कम होती है और बिमारी और कीटाणुओं से ग्रसित होने का डर रहता है। इसलिए कई बार तो कीमती बीज खराब हो जाता है और उससे बहुत कम मात्रा में पौधे तैयार हो पाते हैं।

अब समय, पैसे व लेबर की होगी बचत

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के प्रिंसीपल इंवेस्टीगेटर डा. राजपाल दलाल के अनुसार पहले सारा काम हाथों से होता था, जिसमें अधिक समय व पैसे के साथ-साथ मजदूरी भी अधिक लगती थी। औसतन एक मजदूर पूरे दिन में केवल 60 से 65 तक ही प्रो ट्रे भरते थे जबकि इस मशीन की सहायता से एक घंटे में 300 से 700 तक प्रो प्रो ट्रे भरी जा सकती हैं।

विज्ञानी किसानों की भलाई के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस मशीन की सहायता से स्वस्थ व गुणवत्ता पूर्वक पौधे तैयार करना भी इसी दिशा में सराहनीय कदम है। यह विज्ञानी की मेहनत व नई सोच का परिणाम है और इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

प्रो समर सिंह, कुलपति, एचएयू

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......दैनिक भास्कर.......

दिनांक 8.1.2021....पृष्ठ संख्या.....4.......कॉलम.....1-6.......

आधुनिक तकनीक • विभाग ने एक मशीन मंगवाई, जो बीज बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम तेजी से करेगी

मशीन की सहायता से प्रो ट्रे में पौधे तैयार करेगा एचएयू का बागवानी विभाग, समय, श्रम और खर्च भी बचेगा

एचएयू के वीसी प्रो. समर सिंह का दावा- इस मशीन के आने से किसानों को बेहतर गुणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब वैज्ञानिक ऑटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रो ट्रे में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है, जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तेज गति से और आधुनिक तकनीक से करेगी।

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बागवानी विभाग में आई मशीन का अवलोकन करते हुए व वैज्ञानिक मशीन की कार्यप्रणाली समझाते हुए।

इससे समय व पैसे की बचत होगी। लेबर की नाममात्र ही जरूरत पड़ेगी। इस मशीन को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया है। एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के आने से किसानों को स्वस्थ व बेहतर गणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे। साथ ही एचएयू किसानों की जरूरत के अनुसार पौधे तैयार कर सकेगा और किसानों को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे।

जानिए... बीज, पानी और प्रो ट्रे बनाने की कैसे चलती है मशीनी प्रक्रिया

एचएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि इस मशीन में सुविधानुसार प्रो ... लगाई जाती हैं। उसके बाद मशीन की सहायता से ही इस प्रो ट्रे में नारियल का बुरादा, अंकुरण ... लिए बीज व सिंचाई के लिए पानी डाला जाता है। इसके बाद मशीन जरूरत के हिसाब से प्रो ट्रे में बीज डालती है। एक प्रो ट्रे में 55 से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते हैं। फिर ... ट्रे को पॉली हाउस में रखा जाता है और पौधे तैयार होने तक उनकी वहीं देखभाल की जाती है।

100% होगा बीजों का अंकुरण

फलदार पौधों, फूलों व सब्जियों की पौध तैयार करने के लिए जो बीज बोया जाता है वह बहुत महंगा होता है। साथ ही मजदूरों की सहायता से जमीन में तैयार करने में समय अधिक लगने के साथ-साथ उनके सौ प्रतिशत अंकुरण या जमाव की भी संभावना कम होती है।

मशीन के जरिए एक घंटे में 300 से 700 प्रो ट्रे भरी जा सकती हैं

डॉ. राजपाल दलाल ने कहा पहले सारा काम हाथों से होता था, जिसमें अधिक समय व पैसे लगते थे। एक मजदूर दिन में 60 से 65 तक ही प्रो ट्रे भरते थे जबकि इस मशीन की सहायता से एक घंटे में 300 से 700 तक ...

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक ट्रिब्यून........

दिनांक .8.1.2021....पृष्ठ संख्या......4.........कॉलम.....5-8.........

हकृवि में मंगवाई ऑटोमेटिक फुल सीडिंग लाइन मशीन

मिट्टी के बिना प्रो ट्रे में मशीन तैयार करेगी पौधे

बुआई से सिंचाई तक करेगी सभी काम, लेबर और खर्च नाममात्र

नरेन्द्र ख्यालिया/निस

हिसार, 7 जनवरी

मुर्गी के अंडों से चूजे निकालने की तकनीक की तर्ज पर अब बिना जमीन में दबाए बीजों से पौधे तैयार करने के लिए भी मशीन आ गई है, जिसको प्रो ट्रे नाम दिया गया है, यह प्रदेश की पहली मशीन बताई गई है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के बागवानी विभाग के वैज्ञानिक अब ऑटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रो ट्रे में पौधे तैयार करेंगे। विभाग द्वारा मंगवाई गई यह मशीन बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से करेगी। इसे राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। बागवानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा ने बताया कि पहले सभी काम मजदूरों से किए जाते थे। बीज को जमीन में ही बोया जाता था, जिसमें 100 प्रतिशत अंकुरण की संभावना कम होती थी और पौधे में बीमारी शुरू हो जाती थी। कई बार बीज खराब हो जाता है और बहुत कम मात्रा में पौधे तैयार होते थे। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी सभी समस्याओं पर विराम लगेगा।

हिसार स्थित हकृवि के बागवानी विभाग में लगाई गयी प्रो ट्रे मशीन का बृहस्पतिवार को अवलोकन करते वैज्ञानिक। -निस

ऐसे करेगी काम

हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि इस मशीन में प्रो ट्रे लगाई जाती हैं। मशीन की सहायता से ही प्रो ट्रे में नारियल बुरादा, बीज व पानी डाला जाता है। इसके बाद मशीन जरूरत के हिसाब से प्रो ट्रे में बीज डालती है। एक प्रो ट्रे में 55 से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते हैं। पौधे तैयार होने तक ट्रे को पॉली हाउस में रखा जाता है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर डॉ. राजपाल दलाल के अनुसार पहले औसतन एक मजदूर पूरे दिन में केवल 60 से 65 तक ही प्रो ट्रे भरते थे जबकि इस मशीन की सहायता से एक घंटे में 300 से 700 तक प्रो ट्रे भरी जा सकती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम: हरि भूमि

दिनांक 8.1.2021 पृष्ठ संख्या 9 कॉलम 2-8

बीज के बोने से लेकर सिंचाई तक सभी काम करेगी मशीन

मशीनों की सहायता से प्रो टैर में पौधे तैयार करेगा एचएयू का बागवानी विभाग

ऑटोमेटिक फुल सीडिंग लाइन मशीन मंगवाई, लेबर और खर्च होगा नाममात्र

बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम तीव्रता से करेगी मशीन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब वैज्ञानिक ऑटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रो टैर में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से और आधुनिक तकनीक से करेगी। साथ ही इससे समय व पैसे की बचत के साथ-साथ लेबर की भी नाममात्र ही जरूरत पड़ेगी। इस मशीन को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के आने से किसानों को स्वस्थ व बेहतर गुणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय किसानों की जरूरत के अनुसार पौधे तैयार कर सकेगा और किसानों को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे।

बीमारी व कीटाणुरहित होंगे पौधे

बागवानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा ने बताया कि पहले पौधे तैयार करने के लिए मजदूरों की सहायता ली जाती है। इसमें बीज बोने से लेकर खाद व पानी देने तक सभी काम मजदूरों से किए जाते थे। इसके अलावा पौधे तैयार करने के लिए बीज को जमीन में ही बोया जाता था, जिसमें बीज के सौ प्रतिशत अंकुरण की संभावना कम होती थी और पौधे में जमीन से ही बिमारी शुरू हो जाती थी। साथ ही पौधे को एक जगह से दूसरे जगह ट्रांसप्लांट करने में भी दिक्कत थी। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी सभी समस्याओं पर विराम लग जाएगा।

ऐसे काम करेगी मशीन: हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि इस मशीन में सुविधानुसार प्रो टैर लगाई जाती है। उसके बाद मशीन की सहायता से ही इस प्रो टैर में नारियल का बुरादा, अंकुरण के लिए बीज व सिंचाई के लिए पानी डाला जाता है। इसके बाद मशीन जरूरत के हिसाब से प्रो टैर में बीज डालती है। एक प्रो टैर में 55 से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते हैं। फिर प्रो टैर को पॉली हाउस में रखा जाता है और पौधे तैयार होने तक उनकी वहीं देखभाल की जाती है।

हिसार। हकृवि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बागवानी विभाग में आई मशीन का अवलोकन करते व वैज्ञानिक मशीन की कार्यप्रणाली बताते हुए।

सौ प्रतिशत होगा बीजों का अंकुरण

फलदार पौधों, फूलों व सब्जियों की पौध तैयार करने के लिए जो बीज बोया जाता है वह बहुत ही महंगा होता है। साथ ही मजदूरों की सहायता से जमीन में तैयार करने में समय अधिक लगने के साथ-साथ उनके सौ प्रतिशत अंकुरण या जमाव की भी संभावना कम होती है और बिमारी और कीटाणुओं से ग्रसित होने का डर रहता है। इसलिए कई बार तो कीमती बीज खराब हो जाता है।

अब समय, पैसे व लेबर की होगी बचत

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के प्रिंसीपल इंवेस्टीगेटर डॉ. राजपाल दलाल के अनुसार पहले सारा काम हाथों से होता था, जिसमें अधिक समय व पैसे के साथ मजदूरी भी अधिक लगती थी। औसतन एक मजदूर पूरे दिन में केवल 60 से 65 तक ही प्रो ट्रे भरते थे जबकि इस मशीन की सहायता से एक घंटे में 300 से 700 तक प्रो टैर भरी जा सकती हैं।

किसानों की भलाई के लिए प्रयासरत

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों की भलाई के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस मशीन की सहायता से स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्वक पौधे तैयार करना भी इसी दिशा में सराहनीय कदम है। यह वैज्ञानिकों की मेहनत का परिणाम है जिसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे। -प्रो. समर सिंह, कुलपति, हकृवि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 8.1.2021.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....6:8.....

मशीनों की सहायता से प्रो-ट्रे में पौधे तैयार करेगा एचएयू का बागवानी विभाग

हिसार (संवाद)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब वैज्ञानिक ऑटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रो-ट्रे में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से और आधुनिक तकनीक से करेगी। साथ ही इससे समय व पैसे की बचत के साथ-साथ लेबर की भी नाममात्र ही जरूरत पड़ेगी।

इस मशीन को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के आने से किसानों को स्वस्थ व बेहतर गुणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय किसानों की जरूरत के अनुसार पौधे तैयार कर सकेगा और किसानों को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे। साथ ही इस मशीन के प्रयोग से काफी समस्याओं पर विराम लगेगा। ऐसे काम करेगी मशीन चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि इस मशीन में सुविधानुसार प्रो-ट्रे लगाई जाती है। उसके बाद मशीन की सहायता से ही इस प्रो-ट्रे में नारियल का बुरादा, अंकुरण के लिए बीज व सिंचाई के लिए पानी डाला जाता है। इसके बाद मशीन जरूरत के हिसाब से प्रो-ट्रे में बीज डालती है।

बागवानी विभाग में आई मशीन का अवलोकन करते कुलपति प्रो. समर सिंह। संवाद

ऑटोमेटिक फुल सीडिंग लाइन मशीन मंगवाई, लेबर व खर्च होगा कम

55 से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते हैं : एक प्रो-ट्रे में 55 से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते हैं। फिर प्रो-ट्रे को पॉली हाउस में रखा जाता है और पौधे तैयार होने तक उनकी वहीं देखभाल की जाती है। वहीं फलदार पौधों, फूलों व सब्जियों की पौध तैयार करने के लिए जो बीज बोया जाता है वह बहुत ही महंगा होता है। साथ ही मजदूरों की सहायता से जमीन में तैयार करने में समय अधिक लगने के साथ-साथ उनके 100 प्रतिशत अंकुरण या जमाव की भी संभावना कम होती है और बीमारी और कीटाणुओं से ग्रसित होने का डर रहता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....पंजाब केसरी....

दिनांक 8.1.2021....पृष्ठ संख्या....2....कॉलम....1-4....

'पोस्टरों के माध्यम से बताए ऑनलाइन शिक्षण के फायदे व नुक्सान'

हिसार, 7 जनवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा एक आनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू मेहता व पाठ्यक्रम समन्वयक सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ जाधव की देखरेख में किया गया। अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने इस

प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थी द्वारा बनाया गया पोस्टर।

अवसर पर कहा कि ऑनलाइन शिक्षण हमारे लिए जितना फायदेमंद है उतना ही नुक्सानदायक भी हो सकता है। लेकिन कोरोना काल में ऑनलाइन प्रशिक्षण का महत्व बहुत बढ़ गया है। ऐसे में ऑनलाइन शिक्षण से हमें कई प्रकार की समस्याएं और बीमारियां हो सकती हैं।

ऑनलाइन शिक्षण के दौरान संतुलित आहार एक अहम भूमिका निभाता है।

हर 20 मिनट में ब्रेक लेना चाहिए और बच्चों को स्मार्टफोन की बजाय लैपटॉप या टेबलेट प्रयोग में लाना चाहिए।

इस दौरान आयोजित प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की बी.एससी. कम्युनिटी साइंस की अंतिम वर्ष की छात्रा कांति घीमीरे ने प्रथम स्थान व इसी महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा छवि ने द्वितीय व दयानंद महाविद्यालय हिसार के बी.एससी. अंतिम वर्ष के छात्र पीयूष शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल	07.01.2021	01	01

फतेहाबाद-हिसार

अब बीज के बोने से लेकर सिंचाई तक सभी काम करेगी मशीन

पल पल न्यूज: हिसार, 7 जनवरी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब वैज्ञानिक ऑटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रो ट्रै में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से और आधुनिक तकनीक से करेगी। साथ ही इससे समय व पैसे की बचत के साथ-साथ लेबर की भी नाममात्र ही जरूरत पड़ेगी। इस मशीन को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के आने से किसानों को स्वस्थ व बेहतर गुणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय किसानों की जरूरत के अनुसार पौधे तैयार कर सकेगा और किसानों को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे। बागवानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा ने बताया कि पहले पौधे तैयार करने के लिए मजदूरों की सहायता ली जाती है। इसमें बीज बोने से लेकर खाद व पानी देने तक सभी काम मजदूरों से किए जाते थे। इसके अलावा पौधे तैयार करने के लिए बीज को जमीन में ही बोया जाता था, जिसमें बीज के सौ प्रतिशत अंकुरण की संभावना कम होती थी और पौधे में जमीन से ही बीमारी शुरू हो जाती थी। साथ ही पौधे को एक जगह से दूसरे जगह ट्रांसप्लांट करने में भी दिक्कत थी। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी सभी समस्याओं पर विराम लग जाएगा।

ऐसे काम करेगी मशीन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि इस मशीन में सुविधानुसार प्रो ट्रै लगाई जाती हैं। उसके बाद मशीन की सहायता से ही इस प्रो ट्रै में नारियल का बुरादा, अंकुरण के लिए बीज व सिंचाई के लिए पानी डाला जाता है। इसके बाद मशीन जरूरत के हिसाब से प्रो ट्रै में बीज डालती है। एक प्रो ट्रै में 55 से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते हैं। फिर प्रो ट्रै को पॉली हाउस में रखा जाता है और पौधे तैयार होने तक उनकी वहीं देखभाल की जाती है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों की भलाई के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस मशीन की सहायता से स्वस्थ व गुणवत्ता पूर्वक पौधे तैयार करना भी इसी दिशा में सराहनीय कदम है। यह वैज्ञानिकों की मेहनत व नई सोच का परिणाम है और इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**07.01.2021**	**01**	**01**

मशीनों की सहायता से प्रो ट्रै में पौधे तैयार करेगा एचएयू का बागवानी विभाग

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब वैज्ञानिक ऑटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रो ट्रै में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से और आधुनिक तकनीक से करेगी। साथ ही इससे समय व पैसे की बचत के साथ-साथ लेबर की भी नाममात्र ही जरूरत पड़ेगी। इस मशीन को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के आने से किसानों को स्वस्थ व बेहतर गुणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय किसानों की जरूरत के अनुसार पौधे तैयार कर सकेगा और किसानों को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे।

बीमारी व कीटाणुरहित होंगे पौधे

बागवानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा ने बताया कि पहले पौधे तैयार करने के लिए मजदूरों की सहायता ली जाती है। इसमें बीज बोने से लेकर खाद व पानी देने तक सभी काम मजदूरों से किए जाते थे। इसके अलावा पौधे तैयार करने के लिए बीज को जमीन में ही बोया जाता था, जिसमें बीज के सौ प्रतिशत अंकुरण की संभावना कम होती थी और पौधे में जमीन से ही बीमारी शुरू हो जाती थी। साथ ही पौधे को एक जगह से दूसरे जगह ट्रांसप्लांट करने में भी दिक्कत थी। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी सभी समस्याओं पर विराम लग जाएगा।

ऐसे काम करेगी मशीन

हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि इस मशीन में सुविधानुसार प्रो ट्रै लगाई जाती है। उसके बाद मशीन की सहायता से ही इस प्रो ट्रै में नारियल का बुरादा, अंकुरण के लिए बीज व सिंचाई के लिए पानी डाला जाता है। इसके बाद मशीन जरूरत के हिसाब से प्रो ट्रै में बीज डालती है। एक प्रो ट्रै में 55 से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते है। फिर प्रो ट्रै को पॉली हाउस में रखा जाता है और पौधे तैयार होने तक उनकी वहीं देखभाल की जाती है।

सौ प्रतिशत होगा बीजों का अंकुरण

फलदार पौधों, फूलों व सब्जियों की पौध तैयार करने के लिए जो बीज बोया जाता है वह बहुत ही महंगा होता है। साथ ही मजदूरों की सहायता से जमीन में तैयार करने में समय अधिक लगने के साथ-साथ उनके सौ प्रतिशत अंकुरण या जमाव की भी संभावना कम होती है और बिमारी और कीटाणुओं से ग्रसित होने का डर रहता है। इसलिए कई बार तो कीमती बीज खराब हो जाता है और उससे बहुत कम मात्रा में पौधे तैयार हो पाते है।

अब समय, पैसे व लेबर की होगी बचत

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के प्रिंसीपल इंवेस्टीगेटर डॉ. राजपाल दलहल के अनुसार पहले सारा काम हाथों से होता था, जिसमें अधिक समय व पैसे के साथ-साथ मजदूरी भी अधिक लगती थी। औसतन एक मजदूर पूरे दिन में केवल 60 से 65 तक ही प्रो ट्रै भरते थे जबकि इस मशीन की सहायता से एक घंटे में 300 से 700 तक प्रो ट्रै भरी जा सकती हैं।

किसानों की भलाई के लिए प्रयासरत है वैज्ञानिक : प्रो. समर सिंह

कुलपति महोदय प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों की भलाई के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस मशीन की सहायता से स्वस्थ व गुणवत्ता पूर्वक पौधे तैयार करना भी इसी दिशा में सराहनीय कदम है। यह वैज्ञानिकों की मेहनत व नई सोच का परिणाम है और इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......समर घोष......

दिनांक 7.1.2021....पृष्ठ संख्या....—....कॉलम....—....

मशीनों की सहायता से प्रोट्रे में पौधे तैयार करेगा बागवानी विभाग

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब वैज्ञानिक ऑटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रोट्रे में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से और आधुनिक तकनीक से करेगी। साथ ही इससे समय व पैसे की बचत के साथ-साथ लेबर की भी नाममात्र ही जरूरत पड़ेगी। इस मशीन को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के आने से किसानों को स्वस्थ व बेहतर गुणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय किसानों की जरूरत के अनुसार पौधे तैयार कर सकेगा और किसानों को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे। बागवानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा ने बताया कि पहले पौधे तैयार करने के लिए मजदूरों की सहायता ली जाती है। इसमें बीज बोने से लेकर खाद व पानी देने तक सभी काम मजदूरों से किए जाते थे। इसके अलावा पौधे तैयार करने के लिए बीज को जमीन में ही बोया जाता था, जिसमें बीज के सौ प्रतिशत अंकुरण की संभावना कम होती थी और पौधे में जमीन से ही बिमारी शुरू हो जाती थी। साथ ही पौधे को एक जगह से दूसरे जगह ट्रांसप्लांट करने में भी दिक्कत थी। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी सभी समस्याओं पर विराम लग जाएगा। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि इस मशीन में सुविधानुसार प्रोट्रे लगाई जाती हैं। उसके बाद मशीन की सहायता से ही इसमें नारियल का बुरादा, अंकुरण के लिए बीज व सिंचाई के लिए पानी डाला जाता है। इसके बाद मशीन जरूरत के हिसाब से प्रोट्रे में बीज डालती है। एक प्रोट्रे में 55 से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते हैं। फिर प्रोट्रे को पॉलीहाउस में रखा जाता है और पौधे तैयार होने तक उनकी वहीं देखभाल की जाती है। फलदार पौधों, फूलों व सब्जियों की पौध तैयार करने के लिए जो बीज बोया जाता है वह बहुत ही महंगा होता है। साथ ही मजदूरों की सहायता से जमीन में तैयार करने में समय अधिक लगने के साथ-साथ उनके सौ प्रतिशत अंकुरण या जमाव की भी संभावना कम होती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	07.01.2021	--	--

बीज के बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक का काम होगा आधुनिक तकनीक द्वाराः कुलपति

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब वैज्ञानिक ऑटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रो ट्रे में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से और आधुनिक तकनीक से करेगी। साथ ही इसमें समय व पैसे की बचत के साथ-साथ लेबर की भी नाममात्र ही जरूरत पड़ेगी। इस मशीन को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के आने से किसानों को स्वस्थ व बेहतर गुणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय किसानों की जरूरत के अनुसार पौधे तैयार कर सकेगा और किसानों को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे।

हिसार। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बागवानी विभाग में आई मशीन का अवलोकन करते हुए।

बागवानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा ने बताया कि पहले पौधे तैयार करने के लिए मजदूरों की सहायता ली जाती है। इसमें बीज बोने से लेकर खाद व पानी देने तक सभी काम मजदूरों से किए जाते थे। इसके अलावा पौधे तैयार करने के लिए बीज को जमीन में ही बोया जाता था, जिसमें बीज के सौ प्रतिशत अंकुरण की संभावना कम होती थी और पौधे में जमीन से ही बिमारी शुरू हो जाती थी। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी सभी समस्याओं पर विराम लग जाएगा।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि इस मशीन में सुविधानुसार प्रो ट्रे लगाई जाती है। उसके बाद मशीन की सहायता से ही इस प्रो ट्रे में नारियल का बुरादा, अंकुरण के लिए बीज व सिंचाई के लिए पानी डाला जाता है। इसके बाद मशीन जरूरत के हिसाब से प्रो ट्रे में बीज डालती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	07.01.2021	--	--

मशीनों की सहायता से प्रो ट्रै में पौधे तैयार करेगा एचएयू का बागवानी विभाग

पाठकपक्ष न्यूज, हिसार, 7 जनवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब वैज्ञानिक ऑटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रो ट्रै में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से और आधुनिक तकनीक से करेगी। साथ ही इससे समय व पैसे की बचत के साथ-साथ लेबर की भी नाममात्र ही जरूरत पड़ेगी। इस मशीन को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के आने से किसानों को स्वस्थ व बेहतर गुणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे। बागवानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा ने बताया कि विश्वविद्यालय किसानों की जरूरत के अनुसार पौधे तैयार कर सकेगा और किसानों को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के प्रिंसीपल इंवेस्टीगेटर डॉ. राजपाल दलाल ने बताया कि फलदार पौधों, फूलों व सब्जियों की पौध तैयार करने के लिए जो बीज बोया जाता है वह बहुत ही महंगा होता है। साथ ही मजदूरों की सहायता से जमीन में तैयार करने में समय अधिक लगने के साथ-साथ उनके सौ प्रतिशत अंकुरण या जमाव की भी संभावना कम होती है और बिमारी और कीटाणुओं से ग्रसित होने का डर रहता है। इसलिए कई बार तो कीमती बीज खराब हो जाता है और उससे बहुत कम मात्रा में पौधे तैयार हो पाते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	07.01.2021	--	--

हकृवि में अब मशीन करेगी पौधे तैयार, बीज बोने से लेकर सिंचाई तक का काम होगा तेज

हिसार/07 जनवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब वैज्ञानिक ऑटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रो ट्रे में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से और आधुनिक तकनीक से करेगी। साथ ही इससे समय व पैसे की बचत के साथ-साथ लेबर की भी नाममात्र ही जरूरत पड़ेगी। इस मशीन को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के आने से किसानों को स्वस्थ व बेहतर गुणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय किसानों की जरूरत के अनुसार पौधे तैयार कर सकेगा और किसानों को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे। बागवानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा ने बताया कि अभी पौधे तैयार करने के लिए मजदूरों की सहायता ली जाती है। इसमें बीज बोने से लेकर खाद व पानी देने तक सभी काम

मजदूर करते हैं। इसके अलावा पौधे तैयार करने के लिए बीज को जमीन में ही बोया जाता है, जिसमें बीज के सौ प्रतिशत अंकुरण की संभावना कम होती है और पौधे में जमीन से ही बिमारी शुरू हो जाती है। साथ ही पौधे को एक जगह से दूसरे जगह ट्रांसप्लांट करने में भी दिक्कत है। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी सभी समस्याओं पर विराम लग जाएगा। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि इस मशीन में सुविधानुसार प्रो ट्रे लगाई जाती हैं। उसके बाद मशीन की सहायता से ही इस प्रो ट्रे में नारियल का बुरादा, अंकुरण के लिए बीज व सिंचाई के लिए पानी डाला जाता है। इसके बाद मशीन जरूरत के हिसाब से प्रो ट्रे में बीज डालती है। एक प्रो ट्रे में 55 से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते हैं। फिर प्रो ट्रे को पॉली हाउस में रखा जाता है और पौधे तैयार होने तक उनकी वहीं देखभाल की जाती है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के प्रिंसीपल इंवेस्टीगेटर डॉ. राजपाल दलाल के अनुसार पहले सारा काम हाथों से होता था, जिसमें अधिक समय व पैसे के साथ-साथ मजदूरी भी अधिक लगती थी। औसतन एक मजदूर पूरे दिन में केवल 60 से 65 तक ही प्रो ट्रे भरते थे जबकि इस मशीन की सहायता से एक घंटे में 300 से 700 तक प्रो ट्रै भरी जा सकती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार न्यूज	**08.01.2021**	--	--

ऑटोमैटिक फुल सीडिंग लाईन मशीन मंगवाई

बीज बोने से लेकर सिंचाई तक सभी काम करेगी मशीन

मंगाली नलवा, 7 जनवरी (देवानन्द सोनी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब वैज्ञानिक ऑटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रो ट्रै में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से और आधुनिक तकनीक से करेगी। साथ ही इससे समय व पैसे की बचत के साथ-साथ लेबर की भी नाममात्र ही जरूरत पड़ेगी। इस मशीन को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के आने से किसानों को स्वस्थ व बेहतर गुणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय किसानों की जरूरत के अनुसार पौधे तैयार कर सकेगा और किसानों को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे।

बिमारी व कीटाणुरहित होंगे पौधे : बागवानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा ने बताया कि पहले पौधे तैयार करने के लिए मजदूरों की सहायता ली जाती है। इसमें बीज बोने से लेकर खाद व पानी देने तक सभी काम मजदूरों से किए जाते थे। इसके

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बागवानी विभाग में आई मशीन का अवलोकन करते हुए व वैज्ञानिक मशीन की कार्यप्रणाली समझाते हुए। (छाया : सोनी)

अलावा पौधे तैयार करने के लिए बीज को जमीन में ही बोया जाता था, जिसमें बीज के सौ प्रतिशत अंकुरण की संभावना कम होती थी और पौधे में जमीन से ही बिमारी शुरू हो जाती थी। साथ ही पौधे को एक जगह से दूसरे जगह ट्रांसप्लांट करने में भी दिक्कत थी। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी सभी समस्याओं पर विराम लग जाएगा।

ऐसे काम करेगी मशीन : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि इस मशीन में सुविधानुसार प्रो ट्रै लगाई जाती हैं। उसके बाद मशीन की सहायता से ही इस प्रो ट्रै में नारियल का बुरादा, अंकुरण के लिए बीज व सिंचाई के लिए पानी डाला जाता है। इसके बाद मशीन जरूरत के हिसाब से प्रो ट्रै में बीज डालती है। एक प्रो ट्रै में 55 से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते हैं। फिर प्रो ट्रै को पॉली हाउस में रखा जाता है और पौधे तैयार होने तक उनकी वहीं देखभाल की जाती है।

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों की भलाई के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस मशीन की सहायता से स्वस्थ व गुणवत्ता पूर्वक पौधे तैयार करना भी इसी दिशा में सराहनीय कदम है। यह वैज्ञानिकों की मेहनत व नई सोच का परिणाम है और इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	07.01.2021	--	--

मशीनों की सहायता से प्रो ट्रै में पौधे तैयार करेगा एचएयू

बीज के बोने से लेकर सिंचाई तक सभी काम करेगी मशीन

समस्त हरियाणा न्यूज

इसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि श्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब ज्ञानिक ऑटोमैटिक मशीन की सहायता । प्रो ट्रै में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए भाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है जो ीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक ः सभी काम बहुत तीव्र गति से और ाधुनिक तकनीक से करेगी। साथ ही ससे समय व पैसे की बचत के साथ-साथ ावर की भी नाममात्र ही जरूरत पड़ेगी।

इस मशीन को राष्ट्रीय कृषि विकास ोजना के तहत स्थापित किया गया है। श्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर ंह ने कहा कि इस मशीन के आने से ासानों को स्वस्थ व बेहतर गुणवत्ता के ौधे मिल सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय किसानों की जरूरत के अनुसार पौधे तैयार कर सकेगा और किसानों को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे।

बीमारी व कीटाणुरहित होंगे पौधे

बागवानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा ने बताया कि पहले पौधे तैयार करने के लिए मजदूरों की सहायता ली जाती है। इसमें बीज बोने से लेकर खाद व पानी देने तक सभी काम मजदूरों से किए जाते थे। इसके अलावा पौधे तैयार करने के लिए बीज को जमीन में ही बोया जाता था, जिसमें बीज के सौ प्रतिशत अंकुरण की संभावना कम होती थी और पौधे में जमीन से ही बिमारी शुरू हो जाती थी। साथ ही पौधे को एक जगह से दूसरे जगह ट्रांसप्लांट करने में भी दिक्कत थी। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी सभी समस्याओं पर विराम लग जाएगा।

ऐसे काम करेगी मशीन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि इस मशीन में सुविधानुसार प्रो ट्रै लगाई जाती हैं। उसके बाद मशीन की सहायता से ही इस प्रो ट्रै में नारियल का बुरादा, अंकुरण के लिए बीज व सिंचाई के लिए पानी डाला जाता है। इसके बाद मशीन जरूरत के हिसाब से प्रो ट्रै में बीज डालती है। एक प्रो ट्रै में 55 से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते हैं।

सौ प्रतिशत होगा बीजों का अंकुरण

फलदार पौधों, फूलों व सब्जियों की पौध तैयार करने के लिए जो बीज बोया जाता है वह बहुत ही महंगा होता है। साथ ही मजदूरों की सहायता से जमीन में तैयार करने में समय अधिक लगने के साथ-साथ उनके सौ प्रतिशत अंकुरण या जमाव की भी संभावना कम होती है और बिमारी और कीटाणुओं से ग्रसित होने का डर रहता है।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के प्रिंसीपल इंवेस्टीगेटर डॉ. राजपाल दलाल के अनुसार पहले सारा काम हाथों से होता था, जिसमें अधिक समय व पैसे के साथ साथ मजदूरी भी अधिक लगती थी।

किसानों की भलाई के लिए प्रयासरत्त हैं वैज्ञानिक : प्रो. समर सिंह

कुलपति महोदय प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों की भलाई के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस मशीन की सहायता से स्वस्थ व गुणवत्तापूर्वक पौधे तैयार करना भी इसी दिशा में सराहनीय कदम है। यह वैज्ञानिकों की मेहनत व नई सोच का परिणाम है और इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार न्यूज	**08.01.2021**	--	--

ग्रामीण महिलाओं को जीने के गुर सिखा रहा एचएयू का होम साईंस कॉलेज

कॉलेज के शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाईन व ऑफलाइन किया जा रहा जागरूक

मंगाली नलवा, 6 जनवरी (देवानन्द सोनी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार एक ओर जहां कृषि क्षेत्र में उन्नत किस्म और नई तकनीक विकसित करने के लिए जाना जाता है, वहीं दूसरी ओर इसी विश्वविद्यालय का इंदिरा चक्रवर्ती महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के उत्थान व उनको स्वावलम्बी बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। गृह विज्ञान महाविद्यालय के शिक्षक व विद्यार्थी इस कड़ी में विशेष योगदान दे रहे हैं। विभाग द्वारा तत्कालीन सामाजिक मुद्दों के मद्देनजर अनेक गतिविधियां ऑनलाइन व ऑफलाइन आयोजित की जाती हैं। इसी दिशा में कोरोना महामारी के चलते ग्रामीण महिलाएं जो स्वरोजगार से अपना व परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं, उनके जीवन में काम के बोझ व घरेलू परेशानियों के चलते बढ़ रहे तनाव को दूर करने के लिए कॉलेज टीम द्वारा खास टिप्स दिए जा रहे हैं। कॉलेज की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा ने टीम का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें बधाई दी है। गृह विज्ञान महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन एवं प्रबंधन विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू मेहता व डॉ. कविता दुआ जाधव की अगुवाई में ये गतिविधि आयोजित की जा रही हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर समर सिंह। (छाया : सोनी)

डाबड़ा व रावलवास खुर्द गांव की स्वरोजगार चलाने वाली महिलाओं का किया चयन : कोरोना महामारी के चलते कॉलेज के स्टाफ सदस्यों द्वारा जिले के गांव डाबड़ा व रावलवास खुर्द की 30-30 उन महिलाओं का चयन किया गया जो गांव में अपना स्वरोजगार से आजीविका चला रही हैं। ये महिलाएं कढ़ाई, सिलाई, बुटीक, पशुपालन, डेयरी फार्मिंग, स्टोचिंग जैसे कार्य कर रही हैं। उनमें दिनभर काम का बोझ व साथ में परिवार को संभालने के कारण कई बार महिलाएं अपने दैनिक कार्यों में सामंजस्य नहीं बैठा पाती, जिसके चलते मानसिक रूप से परेशान हो जाती हैं और तनावग्रस्त रहने लगती हैं। उन्हें कई मानसिक व शारीरिक समस्याएं घेर लेती हैं और उनका स्वभाव चिड़चिड़ा रहने लगता है, जो उनके स्वास्थ्य पर विपरीत असर डालता है और परिवार में अशांति का माहौल पैदा करता है।

विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कोरोना महामारी के चलते समाज के बदलते परिवेश में अपनी खास भूमिका निभाई है। कभी मास्क, बॉडी कवर किट, कोरोना किट आदि तैयार करने से लेकर ऑनलाइन पढ़ाई व प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रम भी किए गए है और अभी भी जारी हैं। विभाग की ओर से समसामयिक मुद्दों को ध्यान में रखकर किए जाने वाले इस प्रकार के प्रयास बहुत ही सराहनीय है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम...दैनिक भास्कर...

दिनांक 8.1.2021 ....पृष्ठ संख्या.....2.............कॉलम...1-3............

रंगों के मेल से ऑनलाइन एजुकेशन के फायदे और नुकसान समझाए

सिटी रिपोर्टर • रंगों के मेल से भावों की अभिव्यक्ति के जरिए स्टूडेंट्स ने ऑनलाइन एजुकेशन के फायदे और नुकसान समझाए। एचएयू के इंदिरा चक्रवर्ती होम साइंस कॉलेज की छात्राओं ने ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू मेहता व पाठ्यक्रम समन्वयक सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ जाधव की देखरेख में हुई प्रतियोगिता में एचएयू के अलावा शहर के विभिन्न कॉलेजों के 34 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन पार्टिसिपेट किया। इसमें भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

इनकी परफॉर्मेंस रही सबसे खास

प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती होम साइंस कॉलेज की बीएससी कम्युनिटी साइंस की अंतिम वर्ष की छात्रा कांति घीमीरे ने प्रथम स्थान व इसी कॉलेज की अंतिम वर्ष की छात्रा छवि ने द्वितीय व दयानंद कॉलेज हिसार के बीएससी अंतिम वर्ष के छात्र पीयूष शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया।

ऑनलाइन स्टडी के दौरान हर 20 मिनट में एक ब्रेक जरूर लें

कॉलेज की डीन डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि ऑनलाइन शिक्षण हमारे लिए जितना फायदेमंद है उतना ही नुकसानदायक भी हो सकता है। लेकिन कोरोना काल में ऑनलाइन प्रशिक्षण का महत्व बहुत बढ़ गया है। ऑनलाइन शिक्षण के दौरान संतुलित आहार एक अहम भूमिका निभाता है। हर 20 मिनट में ब्रेक लेना चाहिए। सहायक प्रोफेसर कविता दुआ जाधव ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को ऑनलाइन शिक्षण के लाभ व हानि के बारे में बताते हुए उनके प्रबंधन की भी जानकारी दी गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....अमर उजाला....

दिनांक 8.1.2021....पृष्ठ संख्या....4....कॉलम....4-5....

पोस्टर बनाकर बताए ऑनलाइन शिक्षण के फायदे व नुकसान

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की ओर से आनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू मेहता व पाठ्यक्रम समन्वयक सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ जाधव की देखरेख में किया गया।

पेंटिंग करती छात्रा।

महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि ऑनलाइन शिक्षण हमारे लिए जितना फायदेमंद है उतना ही नुकसानदायक भी हो सकता है, लेकिन कोरोना काल में ऑनलाइन प्रशिक्षण का महत्व बहुत बढ़ गया है। ऐसे में ऑनलाइन शिक्षण से हमें कई प्रकार की समस्याएं और बीमारियां हो सकती हैं। ऑनलाइन शिक्षण के दौरान संतुलित आहार एक अहम भूमिका निभाता है। हर 20 मिनट में ब्रेक लेना चाहिए और बच्चों को स्मार्टफोन की बजाय लैपटॉप या टैबलेट प्रयोग में लाना चाहिए। वहीं प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की बीएससी कम्यूनिटी साइंस की अंतिम वर्ष की छात्रा कांति घीमीरे ने प्रथम स्थान व इसी महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा छवि ने द्वितीय व दयानंद महाविद्यालय के बीएससी अंतिम वर्ष के छात्र पीयूष शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के अलावा शहर के विभिन्न महाविद्यालयों के 34 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी को ई प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण, दैनिक ट्रिब्यून........

दिनांक 6-1-2021....पृष्ठ संख्या.....2, 8......कॉलम.....7-8, 7-8...

पोस्टरों के माध्यम से बताए ऑनलाइन शिक्षण के फायदे और नुकसान

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा एक आनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू मेहता व पाठ्यक्रम समन्वयक सहायक प्रोफेसर डा. कविता दुआ जाधव की देखरेख में किया गया। अधिष्ठाता डा. बिमला ढांडा ने कहा कि ऑनलाइन शिक्षण हमारे लिए जितना फायदेमंद है उतना ही नुकसानदायक भी हो सकता है। लेकिन कोरोना काल में ऑनलाइन प्रशिक्षण का महत्व बहुत बढ़ गया है। ऐसे में ऑनलाइन शिक्षण से हमें कई प्रकार की समस्याएं और बिमारियां हो सकती हैं। ऑनलाइन शिक्षण के दौरान संतुलित आहार एक अहम भूमिका निभाता है। हर 20 मिनट में ब्रेक लेना चाहिए और बच्चों को लैपटॉप या टेबलेट प्रयोग में लाना चाहिए। बीएससी कम्युनिटी साइंस की अंतिम वर्ष की छात्रा कांति घीमीरे ने प्रथम स्थान व इसी महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा छवि ने द्वितीय व दयानंद महाविद्यालय हिसार के बीएससी अंतिम वर्ष के छात्र पीयुष शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया।

20 मिनट बाद लें ब्रेक, बच्चों को दें लैपटॉप या टैब

हिसार (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि ऑनलाइन शिक्षण हमारे लिए जितना फायदेमंद है, उतना ही नुकसानदायक भी हो सकता है। ऑनलाइन शिक्षण के दौरान संतुलित आहार एक अहम भूमिका निभाता है। हर 20 मिनट में ब्रेक लेना चाहिए और बच्चों को स्मार्टफोन की बजाय लैपटॉप या टेबलेट प्रयोग में लाना चाहिए। इस दौरान आयोजित प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की बीएससी कम्युनिटी साइंस की अंतिम वर्ष की छात्रा कांति घीमीरे ने प्रथम व इसी महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा छवि ने द्वितीय व दयानंद महाविद्यालय हिसार के बीएससी अंतिम वर्ष के छात्र पीयूष शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........हरि भूमि , दैनिक भास्कर........

दिनांक 8.1.2021....पृष्ठ संख्या....9 , 2.......कॉलम...2-3 , 7......

पोस्टर प्रतियोगिता में मनन जाखड़ रहा प्रथम

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय गणित दिवस 2020 का आयोजन हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूल, कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। स्कूल लेवल की पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता में मनन जाखड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

मनन ने खूबसूरत पोस्टर बनाकर जीता फर्स्ट प्राइज, सम्मानित किया

हिसार। एचएयू में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी की तरफ से राष्ट्रीय गणित दिवस पर हरियाणा राज्य विज्ञान नवाचार और प्रदुम की प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से आयोजन हुआ था। इसके तहत गणित सख्यिकी कंप्यूटर विज्ञान में स्टूडेंट्स की रूचि को बढ़ाने के लिए प्रश्नोत्तरी वाद विवाद और पोस्टर मेकिंग स्पर्धा का आयोजन हुआ था। इन प्रतियोगिताओं का रिजल्ट अब जारी हुआ। जिसमें पोस्टर मेकिंग कम्पीटिशन में मनन जाखड़ ने खूबसूरत पोस्टर बना फर्स्ट प्राइज जीता।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**07.01.2021**	--	--

पोस्टरों के माध्यम से बताए ऑनलाइन शिक्षण के फायदे व नुकसान

कांति ने बनाया सबसे प्रेरणादायी पोस्टर

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 7 जनवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा एक आनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू मेहता व पाठ्यक्रम समन्वयक सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ जाधव की देखरेख में किया गया। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने इस अवसर पर कहा कि ऑनलाइन शिक्षण हमारे लिए जितना फायदेमंद है उतना ही नुकसानदायक भी हो सकता है। लेकिन कोरोना काल में ऑनलाइन प्रशिक्षण का महत्व बहुत बढ़ गया है। ऐसे में ऑनलाइन शिक्षण से हमें कई प्रकार की समस्याएं और बिमारियां हो सकती हैं। ऑनलाइन शिक्षण के दौरान संतुलित आहार एक अहम भूमिका निभाता है। हर 20 मिनट में ब्रेक लेना चाहिए और बच्चों को स्मार्टफोन की बजाय लैपटॉप या टेबलेट प्रयोग में लाना चाहिए। सहायक प्रोफेसर कविता दुआ जाधव ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को ऑनलाइन शिक्षण के लाभ व हानि के बारे में बताते हुए उनके प्रबंधन की भी जानकारी दी गई ताकि भविष्य में इससे होने वाली समस्याओं से बचा जा सके। कमर दर्द होना, गर्दन दर्द व आंखों की कई समस्याएं इस ऑनलाइन शिक्षण के कारण उत्पन हो सकती हैं। इस दौरान आयोजित प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की बीएससी कम्युनिटी साइंस की अंतिम वर्ष की छात्रा कांति घीमीरे ने प्रथम स्थान व इसी महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा छवि ने द्वितीय व दयानंद महाविद्यालय हिसार के बीएससी अंतिम वर्ष के छात्र पीयूष शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के अलावा शहर के विभिन्न महाविद्यालय के 34 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**07.01.2021**	--	--

पोस्टरों के माध्यम से बताए ऑनलाइन शिक्षण के फायदे व नुकसान

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा एक आनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने इस अवसर पर कहा कि ऑनलाइन शिक्षण हमारे लिए जितना फायदेमंद है उतना ही नुकसानदायक भी हो सकता है लेकिन कोरोना काल में ऑनलाइन प्रशिक्षण का महत्व बहुत बढ़ गया है। ऐसे में ऑनलाइन शिक्षण से हमें कई प्रकार की समस्याएं और बिमारियां हो सकती हैं। ऑनलाइन शिक्षण के दौरान संतुलित आहार एक अहम भूमिका निभाता है। सहायक प्रोफेसर कविता दुआ जाधव ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को ऑनलाइन शिक्षण के लाभ व हानि के बारे में बताते हुए उनके प्रबंधन की भी जानकारी दी गई ताकि

भविष्य में इससे होने वाली समस्याओं से बचा जा सके। कमर दर्द होना, गर्दन दर्द व आंखों की कई समस्याएं इस ऑनलाइन शिक्षण के कारण उत्पन्न हो सकती हैं।

इस दौरान आयोजित प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की बीएससी कम्युनिटी साइंस की अंतिम वर्ष की छात्रा कांति घोमोरे ने प्रथम स्थान व इसी महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा छवि ने द्वितीय व दयानंद महाविद्यालय हिसार के बीएससी अंतिम वर्ष के छात्र पीयूष शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के अलावा शहर के विभिन्न महाविद्यालय के 34 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**07.01.2021**	--	--

कांति ने बनाया सबसे प्रेरणादायी पोस्टर

पोस्टरों के माध्यम से बताए ऑनलाइन शिक्षण के फायदे व नुकसान

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा एक आनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू मेहता व पाठ्यक्रम समन्वयक सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ जाधव की

देखरेख में किया गया। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने इस अवसर पर कहा कि ऑनलाइन शिक्षण हमारे लिए जितना फायदेमंद है उतना ही नुकसानदायक भी हो सकता है। लेकिन कोरोना काल में ऑनलाइन प्रशिक्षण का महत्व बहुत बढ़ गया है।

ऐसे में ऑनलाइन शिक्षण से हमें कई प्रकार की समस्याएं और बिमारियां हो सकती हैं। ऑनलाइन शिक्षण के दौरान संतुलित आहार एक अहम भूमिका निभाता है। हर 20 मिनट में ब्रेक लेना चाहिए और बच्चों को स्मार्टफोन की बजाय लैपटॉप या टेबलेट प्रयोग में लाना चाहिए। सहायक प्रोफेसर कविता दुआ जाधव ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को ऑनलाइन शिक्षण के लाभ व हानि के बारे में बताते हुए उनके प्रबंधन की भी जानकारी दी गई ताकि भविष्य में इससे होने वाली समस्याओं से बचा जा सके। कमर दर्द होना, गर्दन दर्द व आंखों की कई समस्याएं इस ऑनलाइन शिक्षण के कारण उत्पन हो सकती हैं।

इस दौरान आयोजित प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की बीएससी कम्युनिटी साइंस की अंतिम वर्ष की छात्रा कांति घोमीरे ने प्रथम स्थान व इसी महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा छवि ने द्वितीय व दयानंद महाविद्यालय हिसार के बीएससी अंतिम वर्ष के छात्र पीयूष शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के अलावा शहर के विभिन्न महाविद्यालय के 34 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**07.01.2021**	**01**	**01**

ऑनलाईन शिक्षण से हो सकती हैं बिमारियां : डॉ. ढांडा

हिसार/07 जनवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा ऑनलाईन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू मेहता व पाठ्यक्रम समन्वयक सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ जाधव की देखरेख में किया गया। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि ऑनलाईन शिक्षण हमारे लिए जितना फायदेमंद है उतना ही नुकसानदायक भी हो सकता है। लेकिन कोरोना काल में ऑनलाईन प्रशिक्षण का महत्व बहुत बढ़ गया है। ऐसे में ऑनलाईन शिक्षण से हमें कई प्रकार की समस्याएं और बिमारियां हो सकती हैं। ऑनलाईन शिक्षण के दौरान संतुलित आहार एक अहम भूमिका निभाता है। हर 20 मिनट में ब्रेक लेना चाहिए और बच्चों को स्मार्टफोन की बजाय लैपटॉप या टैबलेट प्रयोग में लाना चाहिए। सहायक प्रोफेसर कविता दुआ जाधव ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को ऑनलाईन शिक्षण के लाभ व हानि के बारे में बताते हुए उनके प्रबंधन की भी जानकारी दी गई ताकि भविष्य में इससे होने वाली समस्याओं से बचा जा सके। कमर दर्द होना, गर्दन दर्द व आंखों की कई समस्याएं इसके कारण उत्पन्न हो सकती हैं। इस दौरान आयोजित प्रतियोगिता में इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की बीएससी कम्युनिटी साईंस की अंतिम वर्ष की छात्रा कांति घीमीरे ने प्रथम स्थान व इसी महाविद्यालय की अंतिम वर्ष की छात्रा छवि ने द्वितीय व दयानंद महाविद्यालय हिसार के बीएससी अंतिम वर्ष के छात्र पीयूष शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के अलावा शहर के विभिन्न महाविद्यालय के 34 विद्यार्थियों ने ऑनलाईन माध्यम से भाग लिया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं न्यूज	**08.01.2021**	--	--

ठंड में जरूरतमंदों के लिए सहारा बनेगा एचएयू

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा इस कडकड़ाती ठंड में जरूरतमंद लोगों के लिए 8 जनवरी को एक 'द क्लोथिंग ड्राइव' अभियान चलाया जाएगा। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू मेहता व पाठ्यक्रम समन्वयक सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ जाधव ने बताया कि इस दौरान विभाग की संकल्प टीम की छात्राओं द्वारा इस अभियान का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान विश्वविद्यालय के गेट नंबर एक पर स्थित नेकी की दीवार, गेट नंबर चार और इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर वस्त्रों को एकत्रित करने के लिए कलेक्शन सेंटर बनाए जाएंगे। इन केंद्रों पर कोई भी व्यक्ति जरूरतमंदों की सेवा के लिए अपने घर पर रखे हुए पुराने वस्त्रों को यहां देकर जा सकता है। इन केंद्रों पर प्रात: 9 बजे से सायंकाल पांच बजे तक वस्त्र एकत्रित किए जाएंगे। पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. कविता दुआ जाधव ने बताया कि जो भी व्यक्ति यहां वस्त्र देना चाहता है वह साफ व सुथरे, बिना फट्टे हुए और सेनेटाइज किए गए वस्त्र यहां देकर जाए ताकि कोरोना महामारी के चलते सावधानी बरतते हुए उन्हें सर्दी के मौसम में जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........

दिनांक 8.1.2021...पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....1-8.....

'मशीनों की सहायता से प्रो-ट्रे में पौधे तैयार करेगा एच.ए.यू. का बागवानी विभ

हिसार, 7 जनवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बागवानी विभाग में अब वैज्ञानिक ऑटोमेटिक मशीन की सहायता से प्रो-ट्रे में पौधे तैयार करेंगे। इसके लिए विभाग ने एक ऐसी मशीन मंगवाई है जो बीज को बोने से लेकर खाद व सिंचाई तक के सभी काम बहुत तीव्र गति से और आधुनिक तकनीक से करेगी। साथ ही इससे समय व पैसे की बचत के साथ-साथ लेबर की भी नाममात्र ही जरूरत पड़ेगी। इस मशीन को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्थापित किया गया है।

कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि इस मशीन के आने से किसानों को स्वस्थ व बेहतर गुणवत्ता के पौधे मिल सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय किसानों की जरूरत के अनुसार पौधे तैयार कर सकेगा और किसानों को अधिक मात्रा में पौधे मिल सकेंगे। बीमारी व कीटाणुरहित होंगे पौध बागवानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल गोदारा ने बताया कि पहले पौधे तैयार करने के लिए मजदूरों की सहायता ली जाती है। इसमें बीज बोने से लेकर खाद व पानी देने तक सभी काम मजदूरों से किए जाते थे। इसके अलावा पौधे तैयार करने के लिए बीज को जमीन में ही बोया जाता था, जिसमें बीज के शतप्रतिशत अंकुरण की संभावना कम होती थी और पौधे में जमीन से ही बीमारी शुरू हो जाती थी। साथ ही पौधे को एक जगह से दूसरे जगह ट्रांसप्लांट करने में भी दिक्कत थी। इस मशीन के प्रयोग से ऐसी सभी समस्याओं पर विराम लग जाएगा।

ऐसे काम करेगी मशीन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि इस मशीन में सुविधानुसार प्रो-ट्रे लगाई जाती हैं। उसके बाद मशीन की सहायता से ही इस प्रो-ट्रे में नारियल का बुरादा, अंकुरण के लिए बीज व सिंचाई के लिए पानी डाला जाता है। इसके बाद मशीन जरूरत के हिसाब से प्रो-ट्रे में बीज डालती है। एक प्रो-ट्रे में 55 से 105 तक बीज डालकर पौधे तैयार किए जाते हैं। फिर इसको पॉली हाउस में रखा जाता है और पौधे तैयार होने तक उनकी वहीं देखभाल की जाती है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह बागवानी विभाग में आई मशीन का अव... व वैज्ञानिक मशीन की कार्यप्रणाली समझते हुए।